2017

M. A. 1st Semester

HINDI

PAPER–104 Subject Code—05

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) काव्यरूप की दृष्टि से 'साकेत' का मूल्यांकन कीजिए ।

ख) '''कामायनी' छायावाद की संभावनाओं को उत्कर्ष और परिणाम तक ले जानेवाली सब से बड़ी रचना है ।''—इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

ग) 'उर्वशी' के कामाध्यात्म चिन्तन का विश्लेषण कीजिए ।

घ) 'सरोज स्मृति' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. किन्हीं दो अवतरणों की व्याख्या सप्रसंग कीजिए : 8×2

i) वह अचल धरा को भेंट रहा
शत-शत निर्झर में हो चंचल,
चिर परिधि बना भू को घेरे
इसका नित उर्मिल करुणा जल
कब सागर उर पाषाण हुआ,
कब गिरि ने निर्मम तन बदला ?

ii) समरस थे जड़ या चेतन
सुन्दर साकार बना था;
चेतना एक विलसती
आनंद अखण्ड घना था

iii) चिर-अविचल पर तारक अमन्द!
जानता नहीं वह छन्द-बन्ध
वह रे अनंत का मुक्त मीन,
अपने असंग सुख में विलीन,
स्थित निज स्वरूप में चिर नवीन ।

iii) मिलाप था दूर अभी धनी का,
विलाप ही था बस का बनी का ।
अपूर्व आलाप वही हमारा,
यथा विपंची-दिर दार दारा!

—०—